

# Datta Aarti Lyrics in Hindi English

## Datta Aarti Lyrics in Hindi

त्रिगुणात्मक त्रैमूर्ती दत्त हा जाणा ।  
त्रिगुणी अवतार त्रैलोक्य राणा ।  
नेती नेती शब्द न ये अनुमाना ॥  
सुखर मुनिजन योगी समाधी न ये ध्याना ॥

जय देव जय देव जय श्री गुरुदत्ता ।  
आरती ओवाळिता हरली भवचिंता ॥

सबाह्य अभ्यंतरी तू एक दत्त ।  
अभाग्यासी कैची कळेल हि मात ॥  
पराही परतली तेथे कैचा हेत ।  
जन्ममरणाचाही पुरलासे अंत ॥

दत्त येऊनिया ऊभा ठाकला ।  
भावे साष्टांगेसी प्रणिपात केला ॥  
प्रसन्न होऊनि आशीर्वाद दिधला ।  
जन्ममरणाचा फेरा चुकवीला ॥

दत्त दत्त ऐसें लागले ध्यान ।  
हरपले मन झाले उन्मन ॥  
मी तू पणाची झाली बोळवण ।  
एका जनार्दनी श्रीदत्तध्यान ॥

## Datta Aarti Lyrics in English

Trigunatmak Traimurti Datt Ha Jaana,  
Triguni Avatar Trailokya Raana.  
Neti Neti Shabd Na Ye Anumana,  
Survar Munijan Yogi Samadhi Na Ye Dhyaana.

Jai Dev Jai Dev Jai Shri Gurudutta,  
Aarti Owlita Harli Bhavchinta.

Sabahya Abhyantari Tu Ek Datt,  
Abhagyasi Kaichi Kalel Hi Maat.  
Parahi Paratli Tethe Kaicha Het,  
Janmamaranachaahi Puralase Ant.

Datt Yeuniya Ubha Thakla,  
Bhavhe Sashtangesi Pranipat Kela,  
Prasanna Houni Aashirwad Didhla,  
Janmamaranacha Phera Chukavila.

Datt Datt Aise Lagle Dhyaan,  
Haraple Man Jhale Unman,  
Mee Tu Panachi Jhali Bolwan,

## About Datta Aarti in English

Datta Aarti is a devotional hymn dedicated to Lord Dattatreya, a revered figure in Hinduism who embodies the unity of the trinity of Brahma, Vishnu, and Shiva. Lord Dattatreya is considered the patron of knowledge, wisdom, and compassion, and this aarti praises his divine qualities and supreme power. The hymn is a way to invoke his blessings for the removal of obstacles and to seek his guidance on the spiritual path.

The aarti praises Lord Dattatreya as the eternal and omnipotent force, who transcends all forms and is beyond human comprehension. His form is described as encompassing the three principal deities, and he is the embodiment of righteousness and truth. The aarti also highlights his role as the savior of devotees, the remover of their sufferings, and the bestower of divine knowledge.

Devotees who chant this aarti believe that Lord Dattatreya's blessings will help them overcome their challenges, purify their minds, and achieve spiritual enlightenment. The aarti emphasizes his ability to provide peace and liberation, and it encourages devotees to surrender to his divine will. Datta Aarti is not just a hymn but a pathway to seek solace, wisdom, and divine grace. It fills the heart with devotion and reverence for Lord Dattatreya's omnipotence and mercy.

## About Datta Aarti in Hindi

दत्ता आरती भगवान दत्तात्रेय को समर्पित एक प्रसिद्ध भक्ति गीत है। भगवान दत्तात्रेय हिंदू धर्म के त्रिमूर्ति ब्रह्मा, विष्णु और शिव के संयोजन के रूप में पूजे जाते हैं। वे ज्ञान, तप, और भक्ति के प्रतीक माने जाते हैं। इस आरती में भगवान दत्तात्रेय के दिव्य गुणों, उनकी असीम शक्ति और भक्तों के प्रति उनकी करुणा का गुणगान किया गया है।

यह आरती भगवान दत्तात्रेय की महिमा का वर्णन करती है और भक्तों से प्रार्थना करती है कि वे भगवान दत्तात्रेय से कृपा प्राप्त करें। आरती में भगवान दत्तात्रेय को त्रिदेवों का स्वरूप, जो सम्पूर्ण ब्रह्मांड के स्वामी हैं, के रूप में पूजा जाता है। वे अपने भक्तों के सभी कष्टों को हरते हैं और उन्हें सत्य, ज्ञान और शांति का मार्ग दिखाते हैं।

इस आरती का पाठ करने से भक्तों को मानसिक शांति, सुख, और आत्मिक उन्नति प्राप्त होती है। भगवान दत्तात्रेय के प्रति श्रद्धा और भक्ति में न केवल भक्तों के दुख दूर होते हैं, बल्कि वे आत्मज्ञान प्राप्त करते हैं और जीवन में सफल होते हैं। दत्ता आरती एक शक्तिशाली साधना है, जो भगवान दत्तात्रेय की कृपा और आशीर्वाद पाने का एक मार्ग है।